

**देवागम सिद्धांत** पुं. (तत्.) एक सिद्धांत जिसके अनुसार राजसत्ता देवी आदेश एवं व्यवस्था के अनुसार प्राप्त होती है।

**देवात्मा** पुं./वि. (तत्.) 1. देवता-स्वरूप, जो साक्षात् देवता के समान हो जैसे- देवात्मा हिमराज या देवात्मा संत 2. पीपल का वृक्ष।

**देवाधिदेव** पुं. (तत्.) देवता भी जिसकी आराधना करते हों, देवों के भी देव, विष्णु, शिव, सर्वोच्च देव।

**देवाराधन/देवाराधना** स्त्री. (तत्.) देवताओं की आराधना, देवताओं को प्रसन्न करने के लिए किए गए प्रयत्न।

**देवार्पण** पुं. (तत्.) देवता को किया गया समर्पण, देवता के लिए किया जाने वाला त्याग।

**देवालय** पुं. (तत्.) 1. वह भवन जहाँ देव प्रतिमा स्थापित कर उस देवता की आराधना की जाती हो 2. वह स्थान जहाँ इष्टदेव की आराधना, ध्यान आदि किया जाता हो जैसे- मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा आदि 3. देवताओं का आवास, स्वर्ग।

**देवालय-क्षेत्र** पुं. (तत्.) जमीन का वह भाग जो किसी देवालय के स्वामित्व के अंतर्गत हो तथा देवालय के उपयोग में आता हो।

**देवासुरवाद** पुं. (तत्.) अच्छाई और बुराई के (या उनके देवताओं के) बीच होने वाले संघर्ष को मानने का सिद्धांत।

**देवासुर संग्राम** पुं. (तत्.) विभिन्न पौराणिक गाथाओं के अनुसार देवी और आसुरी शक्तियों के बीच हुआ युद्ध।

**देवेंद्र** पुं. (तत्.) देवताओं के राजा, इंद्र, इंद्रदेव।

**देवेश** पुं. (तत्.) 1. दे. देवेंद्र 2. देवताओं के भी पूज्य देव जैसे- विष्णु, शिव।

**देवोत्थान** पुं. (तत्.) 1. देवताओं का योगनिद्रा से उठना या जाग्रत होना 2. पौराणिक मान्यतानुसार

कार्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु का जागरण टि. हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी को विष्णु चार मास के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं तथा कार्तिक में पुनः जाग्रत हो जाते हैं।

**देवोत्पत्तिशास्त्र** पुं. (तत्.) विभिन्न पुराणों के अनुसार विभिन्न देवताओं की उत्पत्ति एवं उनकी वंशावली बतलाने वाला शास्त्र।

**देश** पुं. (तत्.) 1. भौगोलिक या राजनैतिक सीमाओं से घिरा हुआ स्थान-विशेष जिसकी अपनी संस्कृति, इतिहास और परंपराएँ हों 2. कोई निश्चित स्थान या जगह 3. कोई क्षेत्र-विशेष, प्रदेश 4. पैतृक स्थान या जन्म स्थान जैसे- वह इस समय देश गया हुआ है।

**देशधर्म** पुं. (तत्.) 1. किसी देश विशेष की धर्म तथा संस्कृति के अनुरूप आचरण 2. देश के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह, देश के प्रति निष्ठा।

**देशनिकाला** पुं. (तत्.+तद्.) 1. देश से जबरन किसी को बाहर भेजने की क्रिया या भाव 2. किसी अपराधी या देशद्रोही को देश से बाहर भेजने का दंड।

**देश प्रत्यावर्तन** पुं. (तत्.) 1. राज. देश से बाहर गए हुए व्यक्ति को पुनः देश में वापस लाने की प्रक्रिया 2. अर्थ. देश की उस पूँजी को, जो बाहर चली गई हो, पुनः वापस स्वदेश में ले जाना।  
repatriation

**देशकाल** पुं. (तत्.) स्थान और समय, दिक्काल जैसे- देशकाल के अनुसार ही व्यवहार करना चाहिए।

**देशगांधार** पुं. (तत्.) संगी. सायंकाल के समय गाया जाने वाला राग विशेष, देश राग का एक विशेष प्रकार।

**देशज** वि. (तत्.) 1. प्रशा. (अपने) देश में ही जन्मा (व्यक्ति) native 2. दे. देशज शब्द।

**देशज नागरिक** पुं. (तत्.) राज. नागरिकता का अधिकार प्राप्त वह व्यक्ति जो उसी देश में पैदा हुआ हो।